



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 739]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 8, 2001/आश्विन 16, 1923

No. 739]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 8, 2001/ASVINA 16, 1923

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2001

New Delhi, the 8th October, 2001

का.आ. 1005(अ).—केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस बात का न्याय निर्णय करने के प्रयोजन के लिए कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 960(अ), तारीख 27 सितंबर, 2001 द्वारा, स्टूडेन्ट्स इस्लामिक मूवमेन्ट आफ इंडिया (सिमी) को विधि विरुद्ध संगम के रूप में घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री एस. के. अग्रवाल की अध्यक्षता में "विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण", गठित करती है।

S.O. 1005(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Mr. Justice S. K. Agarwal, Judge of the Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring vide notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs number S.O. 960(E), dated the 27th September, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), the Students Islamic Movement of India (SIMI) as Unlawful Association.

[फा. सं. II-14017/5/2001-एनआई (डीवी)]

[F. No. II-14017/5/2001-NI(DV)]

बी. के. हल्दर, संयुक्त सचिव

B. K. HALDER, Jt. Secy.

